आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 292 | उज्जैन, गुरूवार 11 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश को मिला 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड

इंडिया ट्रैवल अवॉर्ड्स 2025-नई दिल्ली में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड हुआ सम्मानित

भोपाल। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को प्रतिष्ठित बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान नई दिल्ली के ली मेरिडियन में 9 सितम्बर को भव्य इंडिया ट्रैवल अवॉर्ड्स 2025 समारोह में प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मान ने भारत के पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, उत्कृष्टता और सतत विकास को लेकर मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया है।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि यह सम्मान मध्यप्रदेश की जनता और यहां की संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पर्यटन को विकास की धुरी बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश की धरोहर, प्राकृतिक संपदा और लोक-परंपराओं को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने के लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। यह अवॉर्ड हमें और ऊर्जा देता है कि हम पर्यटन को न केवल राज्य की पहचान, बल्कि रोज़गार और आत्मनिर्भरता का मज़बूत साधन भी बनाएं।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि यह अवॉर्ड हमारी टीम की साझा मेहनत और विजन का परिणाम है। हमारा लक्ष्य सिर्फ नए पर्यटन स्थल बनाना नहीं है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देना, महिलाओं को नए अवसर प्रदान करना, हमारी संस्कृति और परंपराओं को संजोना, प्राकृतिक धरोहर को बचाना और पर्यटन को सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है। यह सम्मान हमें और प्रेरित करता है कि हम मध्यप्रदेश को ऐसा खास पर्यटन स्थल बनाएं, जहां परंपरा, प्रकृति और आधुनिकता एक साथ दिखाई दें।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने, इको-टूरिज्म सर्किट विकसित करने, सामुदायिक होमस्टे को बढ़ावा देने, साहसिक और अनुभवात्मक पर्यटन को विस्तार देने के साथ-साथ आतिथ्य सत्कार और विज़िटर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में बोर्ड सतत रूप से कार्यरत है। लक्ष्य पर्यटकों को विश्वस्तरीय पर्यटन अनुभव प्रदान करना है।

विचारों की लड़ाई जोर-शोर से जारी रहेगी, उपराष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद और क्या बोले सुदर्शन रेड्डी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी.सुदर्शनरेड्डी को हार का सामना करना पड़ा। चुनाव में उन्हें 300 वोट मिले। वहीं, NDA के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन ने 452 मतों से विजयी हुए हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद बी.सुदर्शन रेड्डी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उनका कहना है कि वो बेशक चुनाव हार गए, लेकिन वैचारिक लड़ाई अब और भी ज्यादा जोर-शोर से जारी रहेगी।

सुदर्शन रेड्डी ने क्या कहा- सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी.सुदर्शन रेड्डी ने अपनी हार स्वीकार करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती चुनाव जीतने से नहीं बल्कि संवाद, असहमति और भागीदारी की भावना से होती है।

सुदर्शन रेड्डी के अनुसार, विचारधारा का युद्ध और भी ज्यादा जोर-शोर से जारी रहेगा।

राहुल गांधी का शुक्रिया अदा किया- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को शुक्रिया अदा करते हुए बी.सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मैं इन नतीजों को स्वीकार करता हूं। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि संवैधानिक नैतिकता, न्याय और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा जैसे मूल्यों ने जिंदगी में मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे उन्हीं मूल्यों के लिए खड़े होने का मौका मिला।

गड्ढे में गिरी महिला को ट्रक ने रौंदा, मौके पर मौत; प्रशासन पर फूटा लोगों का गुस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु से एक सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। हाईवे पर बने गड्ढे में गिरी महिला हादसे का शिकार हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

यह हादसा मंगलवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर हुआ। मंगलुरु के पास कुलूर स्थित हाईवे पर महिला स्कूटर से गुजर रही थी। तभी वो हाईवे पर मौजूद गड्ढे में गिर गई और एक ट्रक उसके ऊपर से गुजर गई।

कैसे हुआ हादसा- मृतक महिला की पहचान माधवी के रूप में हुई है, जो उडुप्पी जिले की रहने वाली थी। मंगलवार की सुबह माधवी ऑफिस के लिए रवाना हुई। लगभग 8:30 बजे वो कुल्हूर फ्लाईओवर पर पहुंची। फ्लाईओवर पर एक बड़ा गड्ढा मौजूद था, जिसमें पानी भरा था। माधवी स्कूटी को संभाल नहीं पाई और उसी गड्ढे में गिर गई और उसके पीछे आ रही ट्रक माधवी को रौंदते हुए निकल गई।

इस हादसे में माधवी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। माधवी मंगलुरु के एजे अस्पताल में काम करती थी।

इस पद की गरिमा..., उपराष्ट्रपति चुनाव में सीपी राधाकृष्णन की जीत पर क्या बोले धनखड़?

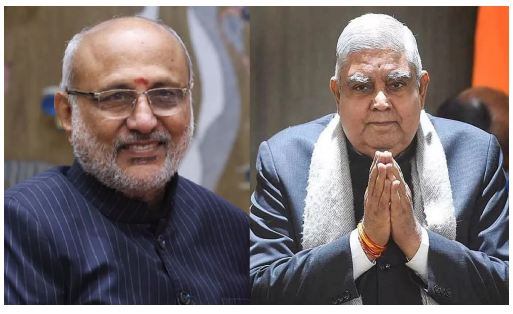

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिन उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजे सामने आए। NDA उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने 452 मतों से जीत हासिल की। इस जीत पर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी खुशी जाहिर की है।

जगदीप धनखड़ का कहना है कि सीपी राधाकृष्णन के अनुभवों से उपराष्ट्रपति पद की गरिमा और भी ज्यादा बढ़ जाएगी। जुलाई में इस्तीफे के बाद यह जगदीप धनखड़ का पहला सार्वजनिक बयान है।

पूर्व उपराष्ट्रपति का बयान- मंगलवार की शाम उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजे सामने आए, जिसमें NDA के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट मिले। वहीं, विपक्ष के उम्मीदवार बी.सुदर्शन रेड्डी ने 300 वोट हासिल किए। इस जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए जगदीप धनखड़ ने कहा- उपराष्ट्रपति पद पर आपकी (सीपी राधाकृष्णन) की जीत जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों की आपके प्रति विश्वास और कॉन्फीडेंस को दर्शाता है। आपको पब्लिक लाइफ का काफी अनुभव रहा है। आपके नेतृत्व में इस पद (उपराष्ट्रपति) की गरिमा और भी ज्यादा बढ़ जाएगी।

धनखड़ ने दिया था इस्तीफा- बता दें कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। धनखड़ ने इसकी वजह स्वास्थ्य कारणों को बताई थी। वहीं, इस्तीफे के बाद से धनखड़ ने न ही कोई बयान दिया था और न ही अभी तक किसी सार्वजनिक स्थान पर नजर आए हैं।

अन्न भंडार भरे पर पोषण और उत्पादकता की चुनौती, आज भी बड़ी मात्रा में आयात कर रहे दलहन-तिलहन

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाद्यान्न के मामले में देश को आत्मनिर्भर एवं निर्यातक बनाने में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) की भूमिका निःसंदेह बड़ी रही है, लेकिन 96 साल का सफर यह भी बताता है कि समयानुसार उत्पादकता बढ़ाने और पोषण सुरक्षा की दिशा में अभी भी अपेक्षा पर पूरी तरह से खरा नहीं उतर पाया है।

दलहन-तिलहन में आयात पर आज भी निर्भरता कम नहीं हो रही है और पोषण समस्या भी बरकरार है। जाहिर है कि आइसीएआर की असली पहचान तभी बनेगी, जब वह पेट भरने के साथ हर थाली को पौष्टिक भी बना सके। इसमें कोई शक नहीं कि खाद्यान्न उत्पादन में भारत ने ऐतिहासिक छलांग लगाई है। 1950-51 में कुल उत्पादन जहां महज 5.08 करोड़ टन था, वहीं आज यह 33 करोड़ टन के पार पहुंच चुका है। पांच दशकों में भूख एवं आयात की बेड़ियां तोड़कर देश आत्मनिर्भर और निर्यातक बना। लेकिन अब बार-बार यह सवाल सामने खड़ा हो रहा है कि वैश्विक मापदंड के मुकाबले भारत की उत्पादकता क्यों नहीं बढ़ रही। कृषि प्रधान देश होने के बावजूद हमारा ध्यान गेहूं और धान तक क्यों सीमित है। जबकि सच्चाई यह है कि उत्पादकता बढ़ाए बिना न देश खुशहाल हो सकता है और न ही किसानों की आय में छलांग लग सकती है। देशभर में फैले 16 हजार कृषि विज्ञानियों की टीम ने खाद्यान्न उत्पादन तो बढ़ाया है, लेकिन प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के मामले में भारत कई देशों से आज भी काफी पीछे है।

भाजपा बोली- सीपी राधाकृष्णन को विपक्षी सांसदों ने भी दिया वोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार को राजग उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के भारत के नए उपराष्ट्रपति चुने जाने पर खुशी जताई और कहा कि यह चुनाव परिणाम उनकी व्यापक स्वीकार्यता का संकेत है, क्योंकि कई विपक्षी सांसदों ने भी अपनी अंतरात्मा की आवाज पर उन्हें वोट दिया। यह उम्मीद से कहीं बड़ी जीत मानी जा रही है, जिससे साफ है कि विपक्षी खेमे से भी क्रास वोटिंग हुई।

तेल और टैरिफ विवाद के बाद अब होगी सुलह, भारत और अमेरिका के बीच डील तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका की दोस्ती की गाड़ी जल्द ही पटरी पर लौटेगी। संकेत है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर चल रही वार्ता काफी सकारात्मक दौर में है। ऐसे में अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए गये 50 फीसद की टैरिफ में भारी कटौती को लेकर जल्द ही कदम उठाये जाने की संभावना है। इन बातों का संकेत बुधवार को भारत के पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिये।

यह एक हफ्ते में दूसरी बार है कि दोनों देशों की सरकारों के प्रमुखों ने सकारात्मक संदेशों के जरिए संबंधों को सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की प्रशंसा की और द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। अगर सब कुछ ठीक रहा तो भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन को लेकर भी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। इसके लिए राष्ट्रपति ट्रंप के भारत आने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, %भारत और अमेरिका करीबी दोस्त और स्वाभाविक साझेदार हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ता भारत-अमेरिका साझेदारी की असीमित संभावनाओं को खोलेगी। हमारी टीमें इन चर्चाओं को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए काम कर रही हैं। हम मिलकर अपने लोगों के लिए एक उज्ज्वल और अधिक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह जल्द ही राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की उम्मीद करते हैं।

इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे इस बात की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच की व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। मैं जल्द ही अपने अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। मैं निश्चिंत हूं कि दोनों महान देशों के बीच व्यापार वार्ता को सफलतापूर्वक पूरा करने में कोई परेशानी नहीं होगी। यह सकारात्मक संवाद उस समय आया है जब दोनों देशों के बीच अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसद टैरिफ और रूस से तेल खरीद को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया था। ट्रंप ने पहले दावा किया था कि भारत और रूस को उन्होंने चीन के हाथों खो दिया है।

नेपाल में हिंसा के चलते काठमांडू एयरपोर्ट बंद, सड़कें वीरान; भारतीय सीमा पर हाई अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों और सियासी उथल-पुथल के बाद सेना ने पूरे देश में सख्त पाबंदियां और कर्फ्यू लागू कर दिया है। मंगलवार को भड़के हिंसक विरोध प्रदर्शनों ने प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने संसद, राष्ट्रपति कार्यालय, प्रधानमंत्री आवास और कई सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया।

इस बेकाबू हालात को काबू करने के लिए नेपाल सेना ने बुधवार को देशभर में सुबह से शाम 5 बजे तक पाबंदियां और फिर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया। सेना का कहना है कि यह कदम लूटपाट, आगजनी और हिंसा को रोकने के लिए उठाया गया है। इस बीच काठमांडू एअरपोर्ट भी बंद कर दिया गया है।

काठमांडू समेत तमाम बड़े शहरों में सन्नाटा पसरा है। काठमांडू एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है। इंडिगो ने इस बाबत एडवायजरी भी जारी की है। सड़कें वीरान हैं और सिर्फ जरूरी सामान लेने वाले कुछ लोग ही बाहर निकल रहे हैं। सेना और पुलिस की भारी तैनाती के बीच सड़कों पर गश्त तेज है। आगजनी से धूं-धूं जल रही इमारतों को बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां दिन-रात काम कर रही हैं।

सेना ने साफ चेतावनी दी है कि पाबंदी और कर्फ्यू के दौरान कोई भी प्रदर्शन, तोड़फोड़, आगजनी या निजी संपत्ति पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। सेना ने यह भी आशंका जताई कि कुछ लोग हालात का फायदा उठाकर लूटपाट, हिंसा और गंभीर अपराध कर सकते हैं। इसीलिए लोगों से घरों में रहने और सिर्फ जरूरी काम के लिए बाहर निकलने की अपील की गई है।

सेना ने बताया कि मंगलवार को छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के दौरान कई हथियार, गोला-बारूद और बंदूकें लूटी गईं। सेना ने लोगों से अपील की है कि अगर उनके पास ऐसे हथियार हैं, तो उन्हें तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या सुरक्षा बलों को सौंप दें। ऐसा न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। साथ ही, सेना ने आम लोगों से सैन्य वर्दी न पहनने की हिदायत दी है, क्योंकि यह गैरकानूनी है।

हालात को काबू करने के लिए सेना और पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। काठमांडू के चाबहिल, बौद्ध और गौशाला इलाकों से 27 लोगों को लूटपाट, आगजनी और तोड़फोड़ के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 3.37 लाख रुपये नकद, 31 हथियार, मैगजीन और गोलियां बरामद की गई हैं। सेना ने लोगों से अमन-चैन कायम करने में सहयोग करने की गुजारिश की है। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर पाबंदी के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे। सोमवार को पुलिस की कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद प्रदर्शन और उग्र हो गए। हालांकि, सोशल मीडिया पर पाबंदी सोमवार रात को हटा ली गई, लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं रुके और उन्होंने कई अहम इमारतों को निशाना बनाया।

नेपाल के बाद अब फ्रांस में बवाल, सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शनकारी; 200 गिरफ्तार

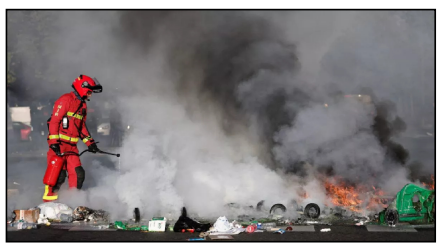

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में हिंसा की आग अभी बुझी भी नहीं थी कि फ्रांस की राजधानी पेरिस भी सुलग उठी है। ब्लॉक एव्रीथिंग मूवमेंट के बाद भारी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं। पेरिस में हर तरफ आगजनी देखने को मिल रही है। पुलिस ने 200 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है।

पेरिस में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ भी देखने को मिली। प्रदर्शनकारियों ने पेरिस की सड़कें बंद कर दीं और कई जगहों पर आगजनी शुरू हो गई। ऐसे में हिंसा को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और 200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया है।

छावनी बना पेरिस

प्रदर्शनकारियों ने पेरिस में सबकुछ बंद करने का एलान किया था। हालांकि, फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ के अनुसार,प्रदर्शनकारी अपने मनसूबों में नाकामयाब रहे हैं। यह प्रदर्शन पहले सोशल मीडिया पर शुरू हुआ, जिसके बाद पेरिस में प्रदर्शनकारियों का जमावड़ा लग गया। ऐसे में 80,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को पेरिस में तैनात किया गया। बैरिकेडिंग तोड़ने वाले प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

क्या है हिंसा की वजह- पेरिस में 30 से ज्यादा जगहों पर आगजनी और हिंसा देखने को मिली है। हिंसा से पहले सोशल मीडिया पर ब्लॉक एव्रीथिंग मूवमेंट चलाया गया था। दरअसल फ्रांस के प्रधानमंत्री बायरू ने बजट में 44 अरब यूरो (लगभग 4 लाख करोड़ रुपये) बचाने की योजना पेश की थी, जिसके लिए उनकी काफी आलोचना हुई और उन्हें अपनी सत्ता से हाथ धोना पड़ गया।

2015 की तबाही से निकला Gen-Z का हीरो सुदन गुरुंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री ने केपी शर्मा ओली प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया। ये प्रदर्शन 4 सितंबर को नेपाल सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर लगाए बैन के खिलाफ शुरू हुई थी। लेकिन इस आंदोलन की जड़ें 2015 के भूकंप से जुड़ी हैं। गौरतलब है कि जेन जी प्रदर्शन में सुदन गुरुंग नाम का एक शख्स उभरकर सामने आया।

इसी भूकंप ने सुदन को भी गढ़ा जो दस साल बाद तद्दठु के सबसे शक्तिशाली शख्सियतों में से एक बन गया। जब साल 2015 में नेपाल ढहते घरों और बिखरी हुई जिंदगियों से जूझ रहा था, तब सुदन गुरुंग ने एक ऐसी भूमिका निभाई जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। भूकंप ने गुरुंग को बदल दिया था। 38 वर्षीय गुरुंग ने उस समय कहा था, एक बच्चा मेरी बाहों में मर गया। मैं उस पल को कभी नहीं भूलूंगा। विनाशकारी भूकंप के कुछ ही क्षण बाद, गुरुंग का पहला विचार ऑनलाइन एक अपील पोस्ट करने का था। लगभग 200 स्वयंसेवक पहुँचे। उन्होंने गांवों में चावल पहुंचाए, स्कूलों के कैंपस में तंबू गाड़े और घायलों को उधार की मोटरसाइकिलों पर पहुंचाया। वह अचानक बना नेटवर्क हामी नेपाल (हम नेपाल हैं) बन गया। 2020 तक, यह 1,600 से ज़्यादा सदस्यों के साथ एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में पंजीकृत हो गया।

ये मेरा फैसला नहीं था..., कतर में इजरायली हमले पर क्या बोले डोनाल्ड ट्रंप?

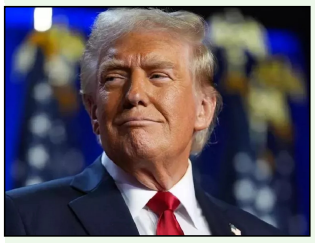

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने मंगलवार को कतर के दोहा में आसमान से बम बरसा दिए। इस हमले में इजरायल ने हमास के टॉप लीडर्स को निशाना बनाया। कतर ने भी इस हमले पर नाराजगी जाहिर की है। वहीं, अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसपर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि यह मेरा फैसला नहीं था।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि कतर पर बमबारी करने का फैसला इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का था, मेरा नहीं। मैं चाहता हूं कि गाजा युद्ध अब खत्म हो जाए।

ट्रंप ने क्या कहा- ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, अमेरिकी सेना से पता चला है कि इजरायल ने हमास के नेताओं पर हमला किया है। दुर्भाग्यपूर्वक वो सभी नेता कतर की राजधानी दोहा में मौजूद थे। यह पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का फैसला था, मेरा नहीं।

ट्रंप ने कहा- कतर अमेरिका का करीबी दोस्त है। हम कतर की अखंडता का सम्मान करते हैं, लेकिन हमास को खत्म करना भी जरूरी है। मैं अपने राजदूत स्टीव विटकॉफ को तुरंत आदेश दिया है कि आगे से ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से पहले कतर को जरूर बताया जाए।

मेरा होटल जला दिया, लोग टूरिस्ट को भी नहीं छोड़ रहे; नेपाल में फंसी भारतीय महिला की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में चल रहे Gen Z विरोध प्रदर्शनों के दौरान पोखरा से एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक भारतीय महिला भारत सरकार से मदद की गुहार लगाती दिख रही है।

उपासना गिल नाम की इस महिला ने दावा किया है कि प्रदर्शनकारियों ने उस होटल में आग लगा दी, जहां वह ठहरी हुई थी। वह एक स्पा में थी और बाद में लाठी-डंडे लिए एक भीड़ उसके पीछे दौड़ पड़ी, जिससे उसे अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा।

महिला ने आगे बताया कि वह एक वॉलीबॉल लीग की मेजबानी के लिए नेपाल आई थी। वीडियो में भारतीय महिला कहती सुनाई दे रही है।

उसने कहा, मेरा नाम उपासना गिल है और मैं यह वीडियो प्रफुल्ल गर्ग को भेज रही हूं। मैं भारतीय दूतावास से अनुरोध करती हूं कि कृपया हमारी मदद करें। जो भी हमारी मदद कर सकते हैं, कृपया मदद करें। मैं नेपाल के पोखरा में फंसी हुई हूं। मैं यहां वॉलीबॉल लीग की मेजबानी करने आई थी और जिस होटल में मैं ठहरी थी, वह जलकर खाक हो गया है। मेरा सारा सामान, मेरा सारा सामान, मेरे कमरे में था और पूरे होटल में आग लग गई। मैं स्पा में थी और लोग मेरे पीछे बड़ी-बड़ी लाठियां लेकर दौड़ रहे थे और मैं मुश्किल से अपनी जान बचाकर भाग पाई।

यहां हालात बहुत खराब हैं। हर जगह सड़कों पर आग लगाई जा रही है। वे यहां पर्यटकों को भी नहीं बख्श रहे हैं। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं है कि कोई पर्यटक है या कोई यहाँ काम के लिए आया है। वे बिना सोचे-समझे हर जगह आग लगा रहे हैं और यहां हालात बहुत, बहुत खराब हो गए हैं।

स्वीडन की हेल्थ मिनिस्टर Elisabet Lann प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बेहोश होकर गिरीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वीडन की नई हेल्थ मिनिस्टर एलिसाबेट लैन मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान स्टेज पर गिर पड़ीं। ये घटना इतनी चौंकाने वाली थी कि पूरा हॉल सन्न रह गया। कैमरे पर रिकॉर्ड हुई ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई।

ये हादसा तब हुआ जब लैन स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन और क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स पार्टी की लीडर एब्बा बुश के साथ खड़ी होकर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रही थीं।

एक अधिकारी की बात सुनते हुए अचानक लैन आगे झुक गईं, पारदर्शी लेक्टर्न पर गिर पड़ीं और फर्श पर धड़ाम से गिर गईं। वीडियो में साफ दिखा कि वो कुछ पल के लिए होश खो बैठीं।

ब्लड शुगर ड्रॉप होने पर हुई बेहोश- एब्बा बुश ने फौरन लैन के पास पहुंचकर उन्हें पलटा, जबकि दूसरे अधिकारी और पत्रकार भी मदद के लिए दौड़े। गवर्नमेंट सिक्योरिटी वाले ने उन्हें उठाया। थोड़ी देर बाद लैन वापस ब्रीफिंग में लौटीं और पत्रकारों को बताया कि उनका ब्लड शुगर अचानक गिर गया था। एसवीटी न्यूज के मुताबिक, उन्होंने कहा, ये कोई आम मंगलवार नहीं था और ब्लड शुगर ड्रॉप होने पर ऐसा हो जाता है। लैन फिर से कमरे से बाहर गईं, लेकिन बिना किसी गंभीर चोट के रिकवर हो गईं। रिपोर्ट्स में ये साफ नहीं है कि उन्हें मेडिकल मदद मिली या नहीं। इस घटना के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म हो गई और क्यू एंड ए सेशन कैंसल कर दिया गया।

यूक्रेन के बाद रूस ने पोलैंड पर बोला हमला? रूसी ड्रोन की एंट्री से NATO देशों में मची खलबली

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के युद्ध में अब एक नया ट्विस्ट आ गया है। यूक्रेन की तरफ जा रहा रूसी ड्रोन अचानक NATO देश पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस गया। इस घटना से पूरे यूरोप में खलबली मच गई। पोलैंड ने रूस के इस ड्रोन को हवा में ही मार गिराया।

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने खुद इस घटना की पुष्टि की है। आज सुबह यूक्रेन ने पोलैंड के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि रूसी ड्रोन एयरस्पेस का उल्लंघन करते हुए पोलैंड के शहर जमोस्क की तरफ बढ़ रहा है।

जेलेंस्की ने किया दावा- यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा- रूस ईरानी शहीद ड्रोन को पोलैंड में भेज रहा है। इसे महज एक हादसा नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि एक-दो नहीं बल्कि कम से कम 8 ड्रोन पोलैंड की तरफ गए हैं।

पोलैंड ने मार गिराया ड्रोन- पोलैंड की सेना ने भी इस बात की पुष्टि की है कि रूस ने यूक्रेन के पश्चिमी बॉर्डर पर हमले किए हैं, जो सीधा पोलैंड से लगता है। इस घटना के बाद पोलैंड की सेना भी अलर्ट पर है। सेना ने सभी लड़ाकू विमानों और एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया है।

पड़ोसी देश में देखिए क्या हो रहा है, सुप्रीम कोर्ट ने क्यों किया नेपाल और बांग्लादेश का जिक्र?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल और बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों का जिक्र आज राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में हुआ। कोर्ट में ये जिक्र उस सुनवाई के दौरान हुआ जो 12 अप्रैल के उस आदेश पर था जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपालों के लिए राज्यों के विधेयकों को मंजूरी देने की समय-सीमा तय की गई थी।

भारतीय संविधान का जिक्र करते हुए, जिसमें राष्ट्रपति को किसी भी कानूनी मुद्दे पर, जो सार्वजनिक महत्व का हो या किसी भी तरह से जनता को प्रभावित करता हो, सुप्रीम कोर्ट से सलाह लेने का अधिकार है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा, हमें अपने संविधान पर गर्व है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि देखिए हमारे पड़ोसी राज्यों में क्या हो रहा है। नेपाल, हमने देखा। उन्होंने हिमालयी राज्य में 48 घंटे पहले शुरू हुए भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का जिक्र किया, जिसमें अब तक 21 लोग मारे जा चुके हैं और केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

जस्टिस विक्रम नाथ ने दिलाई बांग्लादेश हिंसा की याद- हां, बांग्लादेश में भी... जस्टिस विक्रम नाथ ने बीच में बोलते हुए पिछले साल उस देश में हुई चौंकाने वाली हिंसा की यादें ताजा कर दीं, जब छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के आधिकारिक आवास सहित प्रमुख सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया और तोड़फोड़ की।

विरोध प्रदर्शनों में 100 से ज्यादा लोग मारे गए, जिसके कारण उन्हें इस्तीफा देकर भागना पड़ा, और देश का नियंत्रण नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले अभी भी सत्ता में मौजूद प्रशासन को सौंप दिया गया।

वेश्यालयों में वेश्यावृत्ति के लिए प्रेरित करने पर चलेगा मुकदमा, केरल हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेश्यालयों में जाने वाले लोगों के खिलाफ केरल हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट का कहना है कि ऐसे कृत्यों के लिए पैसे देकर ये लोग वेश्यावृत्ति को बढ़ावा देते हैं, इसलिए वेश्यालयों में जाने वाले लोगों को खिलाफ भी अब अनैतिक तस्करी (रोकथाम) अधिनियम, 1956 के तहत केस दर्ज किया जा सकता है।

केरल हाईकोर्ट के जस्टिस वीजी अरुण ने कहा कि सेक्स वर्कर्स को वस्तु की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। उनके साथ यौन क्रियाओं में शामिल लोग महज ग्राहक नहीं होते हैं बल्कि वो उनके शोषण में भी भागीदार होते हैं।

केरल हाईकोर्ट के अनुसार, वेश्यालयों में सेवाएं लेने वाला व्यक्ति सिर्फ ग्राहक नहीं होता है। उनके द्वारा दिए गए पैसे सेक्स वर्कर्स को खुद की मर्जी के खिलाफ जाकर काम करने के लिए मजबूर करते हैं। इससे मानव तस्करी जैसे अपराधों को भी बढ़ावा मिलता है।

क्या है पूरा मामला- केरल हाईकोर्ट का यह फैसला 2021 के एक केस के संदर्भ में आया है। दरअसल 2021 में पुलिस ने तिरुवनंतपुरम के पेरोरकाडा में छापेमारी की थी।

सट्टेबाजी के पैसों से बुक किए करोड़ों के विदेशी टिकट..., कांग्रेस विधायक वीरेंद्र पर श्वष्ठ के गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र समेत उनके परिवार के सदस्यों पर विदेश यात्रा के टिकट खरीदने का आरोप लगा है, जिनकी कीमत करोड़ों में है। प्रवर्तन निदेशायलय (इडी) के अनुसार, यह पैसे जिस अकाउंट से दिए गए हैं वो ऑनलाइन सट्टेबाजी करने वाली वेबसाइट से जुड़े हैं।

जांच एजेंसी के अनुसार, सबूतों से पता चला है कि बड़े-बड़े ट्रांजेक्शन के लिए जिन पैसों का इस्तेमाल हुआ, वो अवैध सट्टेबाजी की गतिविधियों से जुटाए गए थे।

ईडी ने सिक्किम से किया था गिरफ्तार- ईडी ने वीरेंद्र को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार किया था। मुख्य आरोपी के रूप में उनसे पूछताछ की जा रही है। 50 वर्षीय वीरेंद्र एक बिजनेस ट्रिप के अंतर्गत कैसीनो को लीज पर लेने के लिए सिक्किम गए थे, जहां ईडी भी आ धमकी। ईडी अधिकारियों ने वीरेंद्र को सिक्किम में ही गिरफ्तार कर लिया और मामले की छानबीन शुरू कर दी।

वीरेंद्र की टीम ने अदालत को बताया है कि उनके ऊपर लगे आरोप बेबुनियाद हैं। 6 सितंबर को ईडी ने चित्रदुर्ग के छल्लाकेरे में भी छापेमारी की, जहां से 24 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया गया था। इनमें 21.43 किलोग्राम का 24 कैरेट गोल्ड और 10.98 किलोग्राम सोना चढ़ी चांदी शामिल थी।

कोरबा में CAF जवान ने की साली और रिश्तेदार की हत्या, सर्विस राइफल से मारी गोली

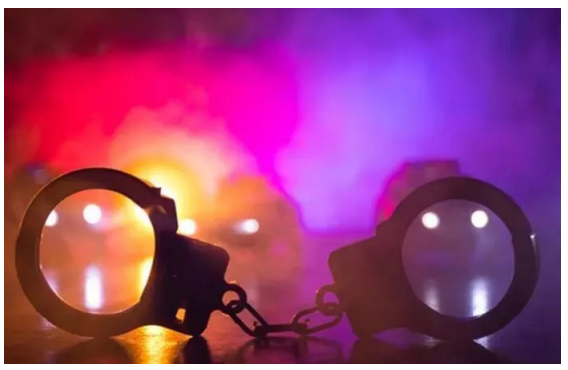

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक पुलिसकर्मी ने अपनी बंदूक से 2 रिश्तेदारों को गोली मार दी। इस घटना में दोनों की लोगों की जान चली गई। मृतकों में एक किशोरी भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, पारिवारिक मामले में झगड़े के दौरान आरोपी अपना आपा खो बैठा और ड्यूटी वाली बंदूक से ही दोनों रिश्तेदारों को गोली मार दी।

यह घटना कोरबा के हरदीबाजार पुलिस स्टेशन स्थित छिंदपुर गांव की है। आरोपी कांस्टेबल का नाम शेशराम बिंझवार है, जो CAF की 13वीं बटालियन का हिस्सा है। पुलिस ने कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है।

17 साल की युवती समेत 2 की मौत- कोरबा के एसपी सिद्धार्थ तिवारी के अनुसार, शेशराम ने अपनी इंसास राइफल से 3 राउंड की फायरिंग की। सबसे पहले उसने अपनी साली (पत्नी की बहन) मंदासा बिंझवार को गोली मारी, जिसकी उम्र महज 17 साल थी। इसके बाद उसने अपनी पत्नी के चाचा राजेश बिंझवार पर गोली चलाई। इस घटना में दोनों की मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह सबकुछ एक पारिवारिक झगड़े के दौरान हुआ। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार ने भिलईबाजार स्थित रोड को पूरी तरह से जाम कर दिया है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देओ साई का कोरबा में ही एक दौरा था। कांस्टेबल शेशराम को भी सीएम की सिक्योरिटी में नियुक्त किया गया था, लेकिन वो ड्यूटी पर नहीं पहुंचा। कुछ देर बाद पुलिस को इस घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस ने शेशराम को गिरफ्तार कर लिया।

आयु सीमा में छूट लेने वाले OBC उम्मीदवारों को झटका, अर्ध सैनिक बल भर्ती मामले में SC का अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम आदेश में कहा है कि अगर कोई आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार भर्ती के समय आरक्षित वर्ग को आयु सीमा में मिली छूट का लाभ लेता है तो बाद में वह अनारक्षित वर्ग की रिक्तियों (सामान्य वर्ग) में स्थानांतरित नहीं हो सकता अगर नियमों में इसकी स्पष्ट मनाही की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की अपील स्वीकार करते हुए त्रिपुरा हाई कोर्ट का वह आदेश रद कर दिया है, जिसमें अर्धसैनिक बलों की भर्ती में आयु सीमा में छूट का लाभ लेकर भर्ती परीक्षा में शामिल हुए ओबीसी अभ्यर्थियों को बाद में सामान्य वर्ग में स्थानांतरित कर नियुक्ति देने का आदेश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्या बाग्ची की पीठ ने स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड (एसएससी) की 2015 की अर्धसैनिक बलों में सिपाही (जनरल ड्यूटी (जीडी) भर्ती के मामले में नौ सितंबर को यह फैसला दिया है। पीठ ने आयु सीमा या फीस आदि का लाभ लेकर सामान्य वर्ग के साथ खुली भर्ती में भाग लेने वाले आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार के बाद में अनारक्षित वर्ग में नियुक्ति के लिए स्थानांतरित होने के बारे में कानूनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि ये हर मामले के तथ्यों पर निर्भर करेगा।

अगर भर्ती नियमों या रोजगार अधिसूचना में स्पष्ट रूप से मनाही नहीं है तो आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार, जिसने अनारक्षित वर्ग यानी सामान्य वर्ग के अंतिम चयनित उम्मीदवार से ज्यादा अंक हासिल किए हैं। सामान्य वर्ग की रिक्ति में नियुक्ति के लिए स्थानांतरित हो सकता है यानी उसकी नियुक्ति सामान्य वर्ग की रिक्ति में हो सकती है, लेकिन अगर संबंधित भर्ती नियमों में इसकी स्पष्ट रूप से मनाही की गई है और रोक लगाई गई है तो वह सामान्य पद की रिक्ति में नियुक्त नहीं हो सकता। यानी बाद में सामान्य वर्ग के अंतिम उम्मीदवार से ज्यादा अंक पाने पर भी नियुक्ति के लिए सामान्य वर्ग में स्थानांतरित नहीं हो सकता।

2025 में 82 प्रतिशत भारतीयों ने किया ई-वीजा के लिए आवेदन, श्रीलंका समेत ये देश बने पहली पसंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इलेक्ट्रॉनिक वीजा की मांग अचानक बढ़ गई है। एटलीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल भारत में लगभग 82 प्रतिशत लोगों ने ई-वीजा के लिए आवेदन किया है। पिछले साल यानी 2024 में यह संख्या महज 79 प्रतिशत थी।

एटलीज, एक वीजा प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म है। एटलीज ने आज ही ये रिपोर्ट जारी की है, जिसमें उन सभी देशों की लिस्ट मौजूद है, जिन्होंने भारतीयों के लिए डिजिटल एंट्री को काफी आसान कर दिया है। इस रिपोर्ट में वीजा का समय और वैधता से जुड़ी जानकारी भी मौजूद है।

क्या कहती है रिपोर्ट- एटलीज की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल UAE, वियतनाम, इंडोनेशिया, हांगकांग और मिस्त्र जैसे ई-वीजा मुहैया कराने वाले देश भारतीयों की पहली पसंद रहे हैं। पिछले कुछ सालों में कई देशों ने ई-वीजा की सुविधा को अपनाया है। इससे न सिर्फ उन देशों में जाना आसान हो गया है बल्कि ऐसे देशों के पर्यटन में भी काफी इजाफा देखने को मिला है। खासकर ज्यादातर भारतीय पर्यटक ई-वीजा वाले देशों को तवज्जो देते नजर आ रहे हैं।

एटलीज ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि यह ट्रेंड साफ दर्शाता है कि सरकारें पर्यटकों की उम्मीदों पर खरी उतर रही हैं। एटलीज के संस्थापक मोहक नाहटा के अनुसार, भारतीय पर्यटक जल्दी और आसानी से वीजा मिलने को अहमियत देते हैं। ई-वीजा यह दोनों मुहैया करवाता है। इसे ऑनलाइन अप्लाई किया जा सकता है और जल्दी अप्रूवल मिलने के कारण कभी भी ट्रिप प्लान की जा सकती है, जिससे पर्यटकों को काफी सहूलियत महसूस होती है।

मोहक नाहटा के अनुसार, जिन देशों ने ई-वीजा की सुविधा शुरू कर दी है, वहां भारी संख्या में भारतीय पर्यटक पहुंच रहे हैं और उन्हें इससे काफी फायदा हो रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

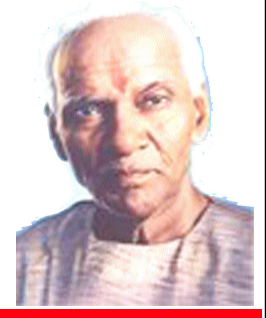

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थी

संपादकीय

अंग्रेजी सरकार जाते जाते भारत को चारों तरफ से कमजोर बनाकर गई

1947 में हमारा देश आजाद हुआ। अंग्रेज तो चले गए पर पीछे छोड़ गए एक ऐसा रूढ़िवादी भारतीय समाज जो अशिक्षा, जाति व्यवस्था और भयंकर गरीबी के संकट से जूझ रहा था। यकीनन जिससे निजात पाने के लिए अभी एक और लंबी लड़ाई लड़नी थी। अंग्रेजी सरकार जाते जाते भारत को चारों तरफ से कमजोर बनाकर गई। कई लोग तो इस तरह से गरीब हो गए थे कि उनके पास रहने तक के लिए जगह नहीं थी। वर्ष 1951, लोगों के बीच खासकर ग्रामीणों तक यह खबर फैल गयी थी कि कोई संत निकला है जो दान में भूमिहीनों के लिए जमीन मांगता है और कहता है कि हवा, पानी और आसमान की तरह जमीन भी ईश्वर की बनाई हुई है जो सबके लिए है। आप मुझे अपना बेटा मानकर अपनी जमीन का छठा हिस्सा दे दीजिए। भूदान आंदोलन के जनक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं अहिंसा के प्रबल समर्थक आचार्य विनोबा भावे नवंबर 1951 में पूरे उत्साह के साथ दिल्ली से उत्तर प्रदेश की ओर पद यात्रा पर निकल पड़े। पूरे देश की नजर विनोबा के भूदान यज्ञ की ओर टिक गयी। भूदान आंदोलन की शुरुआत ऐसे समय में की गई जब देश में जमीन को लेकर रक्तपात होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। तेलंगाना और फिर उत्तर प्रदेश की भूदान यात्रा के तहत अप्रैल 1952 में सेवापुरी में हुए चौथे सर्वोदय समाज सम्मेलन में सर्व सेवा संघ ने अगले दो सालों में पूरे देश भर में 25 लाख एकड़ भूदान प्राप्त करने का संकल्प किया। इसी सम्मेलन में बिहार से कुछ अग्रणी समाज सेवक लक्ष्मी बाबू, ध्वजा बाबू, रामदेव बाबू और वैद्यनाथ बाबू आये थे जिनका इरादा विनोबा जी को बिहार लाना था। विनोबा ने इनसे बिहार में भूदान के तहत चार लाख एकड़ हासिल करने की बात कही। लक्ष्य काफी मुश्किल था बावजूद इसके इन नेताओं ने विनोबा की बात कबूल कर ली और इस तरह बिहार में विनोबा जी का आना तय हो गया। संयुक्त बिहार (झारखंड तब बिहार का अंग था) में भूदान और ग्रामदान अभियान के लिए विनोबा छह बार आए और गए। एक तरफ तो समाजवादी दल,सर्वोदयी नेताओं और रचनात्मक कार्यकर्ताओं और जनता के समर्थन तथा सहयोग से भूदान आंदोलन में तेजी आ रही थी वहीं दूसरी तरफ साम्यवादी कार्यकर्ताओं द्वारा इस आंदोलन का विरोध किया जा रहा था। विनोबा के बिहार में प्रवेश करते ही साम्यवादियों का विरोध और तेज हो गया। उनकी शिकायत थी कि भीख मांगने से क्रांति नहीं आ सकती है। विनोबा ने बिहार प्रवेश के पहले ही दिन दुर्गावती में कहा था कि मैं कम्युनिस्टों को कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान में क्रांति किस ढंग से हो सकती है यह मैं आपसे बेहतर जानता हूं। मैं वेदों से लेकर गांधी तक के सारे विचार घोलकर पी गया हूं। सब विचारों का अध्ययन किया है। वेदांत समझे बिना यहां कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। अगर आप आत्मा के टुकड़े करेंगे वर्ग बनाएंगे और कटुता तथा द्वेष फैलाएंगें तो उससे क्रांति नहीं होगी। मैं भूमिहीनों के लिए भीख नहीं उनका हक मांगने आया हूं। बिहार के बड़े कांग्रेसी नेता और सरकार चला रहे श्रीकृष्ण सिंह और अनुग्रह नारायण सिंह ने भूदान आंदोलन को अपना समर्थन दिया। महान समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण भी भूदान आंदोलन में कूद पड़े। बिहार खादी समिति और बिहार गांधी स्मारक निधि ने भी भूदान कार्य में अपने को पूरा झोंक दिया। प्रांतीय भूदान आंदोलन समिति के लक्ष्मी बाबू सहित रामदेव बाबू, ध्वजा बाबू, रामचरण बाबू, गजानन दास, गोपाल झा शास्त्री, भवानी सिंह, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, रांची जिले पूरी तरह से सक्रिय हो गए।

बाबा हरभजन सिंह

बाबा हरभजन सिंह भारतीय सेना का एक ऐसा सैनिक, जिसके बारे में यह माना जाता है कि अपनी मृत्यु के बाद आज भी वह देश की सरहद की रक्षा कर रहा है। इस सिपाही को अब लोग कैप्टन बाबा हरभजन सिंह के नाम से पुकारते हैं। हरभजन सिंह की मृत्यु 11 सितम्बर, 1968 में सिक्किम के साथ लगती चीन की सीमा के साथ नाथूला दर्रे में गहरी खाई में गिरने से हो गई थी। लोगों का ऐसा मानना है कि तब से लेकर आज तक यह सिपाही भूत बनकर सरहदों की रक्षा कर रहा है। इस बात पर हमारे देश के सैनिकों को पूरा विश्वास तो है ही, साथ ही चीन के सैनिक भी इस बात को मानते हैं, क्योंकि उन्होंने कैप्टन बाबा हरभजन सिंह को मरने के बाद घोड़े पर सवार होकर सरहदों की गश्त करते हुए देखा है।

जन्म तथा शिक्षा

हरभजन सिंह का जन्म 3 अगस्त, 1941 को पंजाब के कपूरथला ज़िले में ब्रोंदल नामक ग्राम में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गाँव के ही स्कूल से प्राप्त की थी। मार्च, 1955 में उन्होंने डी.ए.वी. हाई स्कूल, पट्टी से मेट्रिकुलेशन किया था।

भारतीय सेना में प्रवेश

जून, 1956 में हरभजन सिंह अमृतसर में एक सैनिक के रूप में प्रविष्ट हुए और सिग्नल कोर में शामिल हो गए। 30 जून, 1965 को उन्हें एक कमीशन प्रदान की गई और वे 14 राजपूत रेजिमेंट में तैनात हुए। वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने अपनी यूनिट के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य किया। इसके बाद उनका स्थानांतरण 18 राजपूत रेजिमेंट के लिए हुआ।

निधन

वर्ष 1968 में कैप्टन हरभजन सिंह 23वीं पंजाब रेजिमेंट के साथ पूर्वी सिक्किम में सेवारत थे। 4 अक्टूबर, 1968 को खच्चरों का एक काफिला लेकर, पूर्वी सिक्किम के तुकुला से डोंगचुई तक, जाते समय पाँव फिसलने के कारण एक नाले में गिरने से उनकी मृत्यु हो गई। पानी का तेज बहाव होने के कारण उनका पार्थिव शरीर बहकर घटना स्थल से 2 कि.मी. की दूरी पर जा पहुँचा। जब भारतीय सेना ने बाबा हरभजन सिंह की खोज-खबर लेनी शुरू की गई, तो तीन दिन बाद उनका पार्थिव शरीर मिला।

समाधि

ऐसा विश्वास किया जाता है कि उन्होंने अपने साथी सिपाही प्रीतम सिंह को सपने में आकर अपनी मृत्यू की जानकारी दी और बताया कि उनका शव कहाँ पड़ा है। उन्होंने प्रीतम सिंह से यह भी इच्छा जाहिर की कि उनकी समाधि भी वहीं बनाई जाए। पहले प्रीतम सिंह की बात का किसी ने विश्वास नहीं किया, लेकिन जब उनका शव उसी स्थल पर मिला, जहाँ उन्होंने बताया था तो सेना के अधिकारियों को उनकी बात पर विश्वास हो गया। सेना के अधिकारियों ने उनकी छोक्या छो नामक स्थान पर समाधि बनवाई।

मृत्युपरांत बाबा हरभजन सिंह अपने साथियों को नाथुला के आस-पास चीन की सैनिक गतिविधियों की जानकारी सपनों में देते, जो हमेशा सत्य होती थी। तभी से बाबा हरभजन सिंह अशरीर भारतीय सेना की सेवा करते आ रहे हैं और इसी तथ्य के मद्देनज़र उनको मृत्युपरांत अशरीर भारतीय सेना की सेवा में रखा गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुनः उनकी समाधि को 9 कि.मी. नीचे नवम्बर, 1982 को भारतीय सेना के द्वारा बनवाया गया। मान्यता यह है कि यहाँ रखे पानी की बोतल में चमत्कारिक गुण आ जाते हैं और इसका 21 दिन सेवन करने से श्रद्धालु अपने रोगों से छुटकारा पा जाते हैं। इन्हें भी देखें- बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल

आज भी करते हैं देशसेवा

विगत कई वर्षों में बाबा हरभजन सिंह की पदोन्नति सिपाही से कैप्टन की हो गई है। चीनी सिपाहियों ने भी उनके घोड़े पर सवार होकर रात में गश्त लगाने की पुष्टि की है। आस्था का आलम ये है कि जब भी भारत-चीन की सैन्य बैठक नाथुला में होती है तो उनके लिए एक ख़ाली कुर्सी रखी जाती है। इसी आस्था एवं अशरीर सेवा के लिए भारतीय सेना उनको सेवारत मानते हुए प्रत्येक वर्ष 15 सितम्बर से 15 नवम्बर तक की छुट्टी मंजूर करती है और बड़ी श्रद्धा के साथ स्थानीय लोग एवं सैनिक एक जुलुस के रूप में उनकी वर्दी, टोपी, जूते एवं साल भर का वेतन, दो सैनिकों के साथ, सैनिक गाड़ी में नाथुला से न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन तक लाते हैं। वहाँ से डिब्रूगढ़-अमृतसर एक्सप्रेस से उन्हें जालंधर (पंजाब) लाया जाता है। यहाँ से सेना की गाड़ी उन्हें गाँव में उनके घर तक छोड़ने जाती है। वहाँ सब कुछ उनकी माता जी को सौंपा जाता है। फिर उसी ट्रेन से उसी आस्था एवं सम्मान के साथ उनको समाधि स्थल, नाथुला लाया जाता है।

कुछ लोग इस आयोजन को अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाला मानते थे, इसलिए उन्होंने अदालत का दरवाज़ा खटखटाया; क्योंकि सेना में किसी भी प्रकार के अंधविश्वास की मनाही होती है। लिहाज़ा सेना ने बाबा हरभजन सिंह को छुट्टी पर भेजना बंद कर दिया। अब बाबा साल के बारह महीने ड्यूटी पर रहते हैं। मंदिर में बाबा का एक कमरा भी है, जिसमें प्रतिदिन सफ़ाई करके बिस्तर लगाया जाता है। बाबा की सेना की वर्दी और जूते रखे जाते हैं। कहते हैं कि रोज़ पुनः सफ़ाई करने पर उनके जूतों में कीचड़ और चद्दर पर सलवटे पाई जाती हैं।

मृत्यु, विरासत और संबंधित किंवदंती

सिंह का निधन 1968 में पूर्वी सिक्किम , भारत में नाथू ला (दर्रे) के पास हुआ था । उनके समाधि स्थल के पास लगे एक बोर्ड पर लिखा है कि टुकू ला से डोंगचुई ला तक खच्चरों की एक टुकड़ी को ले जाते समय एक नाले में गिरने से उनकी मृत्यु हो गई थी।

हरभजन सिंह की 22 वर्ष की आयु में हुई असामयिक मृत्यु किंवदंती और धार्मिक श्रद्धा का विषय है जो भारतीय सेना के नियमित जवानों , उनके गांव के लोगों और जाहिर तौर पर सिक्किम और तिब्बत के बीच भारत-चीनी सीमा की रक्षा करने वाले सीमा पार चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों के बीच लोकप्रिय हो गई है। उन्हें संत बाबा के नाम से जाना जाने लगा है। हर साल 11 सितंबर को, एक जीप उनके निजी सामान के साथ निकटतम रेलवे स्टेशन न्यू जलपाईगुड़ी के लिए रवाना होती है, जहाँ से इसे फिर ट्रेन द्वारा भारत के पंजाब राज्य के कपूरथला जिले के कूका गाँव भेजा जाता है । जबकि भारतीय रेलवे की किसी भी ट्रेन में खाली बर्थ हमेशा किसी प्रतीक्षा सूची वाले यात्री को या कोच अटेंडेंट द्वारा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवंटित की जाती हैं, बाबा के लिए एक विशेष आरक्षण किया जाता है। हर साल उनके गृहनगर की यात्रा के लिए एक सीट खाली छोड़ दी जाती है और तीन सैनिक बाबा के साथ उनके घर जाते हैं। नाथुला में तैनात सैनिकों द्वारा हर महीने उनकी मां को भेजने के लिए एक छोटी राशि का योगदान दिया जाता है और उनका गांव अभी भी उन्हें शहीद के रूप में याद करता है।

लोकप्रिय संस्कृति में

भुवन बाम और दिव्या दत्ता एक लघु-फिल्म, प्लस-माइनस (2018) के लिए साथ आए , जो सिंह के जीवन और विरासत पर आधारित थी। इस फिल्म का निर्देशन ज्योति कपूर दास ने किया था । इसने 64वें फिल्मफेयर पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का पुरस्कार जीता ।

पीएम मोदी, ट्रंप और चिनफिंग... ये स्टॉक होते तो किसकी वैल्यू होती सबसे ज्यादा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के चार नेता इस वक्त चर्चा में हैं- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। दिलचस्प बात यह है कि जब भी दुनिया के ताकतवर नेताओं की बात होती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम सबसे पहले आता है।

इसे लेकर हाल ही में एक बहस छिड़ी की अगर ये नेता शेयर बाजार में लिस्टेड होते तो कौन सबसे ज्यादा वैल्युएबल स्टॉक बनता? कौन हाई-रिस्क होता और कौन भरोसेमंद? तो इसे लेकर अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के मशहूर फाइनेंस प्रोफेसर अस्वथ दामोदरन ने दिलचस्प कैलकुलेशन किया, जो चर्चा का विषय बना हुआ।

ट्रंप मस्क के टेस्ला स्टॉक जैसे- दामोदरन को दुनियाभर में डीन ऑफ वैल्युएशन कहा जाता है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप, पीएम मोदी, चिनफिंग और पुतिन की तुलना शेयरों से की। उन्होंनें ट्रंप की तुलना एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर से की। उन्होंने कहा कि वो टेस्ला जैसे हैं- बिल्कुल अस्थिर। ट्रंप एक हाई रिस्क स्टॉक हैं। हमेशा खबरों में रहने वाले। जैसे एलन मस्क बार-बार नैरेटिव बदलते हैं, वैसे ही ट्रंप भी कहानी बदलते रहते हैं। फिर भी, उनके पास इतना करिश्मा है कि लोग उनकी बात मान ही लेते हैं।

चिनफिंग ब्लू चिप स्टॉक की तरह- दामोदर ने चिनफिंग की तुलना स्थिर, लेकिन मजबूत ब्लू चिप शेयर से की। उन्होंने चिनफिंग को एक मिशन वाला स्टॉक बताया। उन्होंने कहा कि चीन के राष्ट्रपति की राह में कोई भी रुकावट ज्यादा देर टिक नहीं सकती। वह अपने टारगेट को लेकर बहुत सख्त हैं और उसे पूरा करके ही मानते हैं। उन्होंने चिनफिंग की तुलना Amazon से करते हुए कहा कि वह एवेंजर्स थानोस जैसे हैं- एक चुटकी बजाते ही सब खत्म।

पुतिन को बताया सर्वाइवर स्टॉक- प्रोफेसर ने रूस के राष्ट्रपति का भी दिलचस्प विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि पुतिन अपनी सेना के कारण दुनिया में शक्ति का केंद्र बने हुए हैं।

तो अब अपने खुद सैटेलाइट रॉकेट बनाकर करेगी स्पेस में लॉन्च

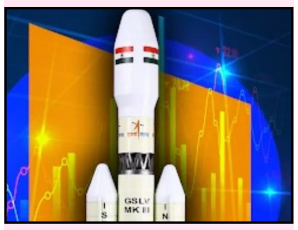

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज सरकारी डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स या एचएएल का शेयर रॉकेट बन गया है। इसके शेयर में 91.50 रुपये या 2.05 फीसदी की तेजी आई है और दोपहर सवा 1 बजे ये BSE पर 4545 रुपये है। इसके शेयर में तेजी एक नया ऑर्डर मिलने की खबर के बीच आई है।

इसरो ने अपनी स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को ट्रांसफर कर दी है, जो भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र द्वारा फैसिलिएट किये गये 100वें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर एग्रीमेंट (टीओटी) का प्रतीक है। क्या है टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का मकसद

इस टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का मकसद SSLV मैन्युफैक्चरिंग तक एक्सेस को लोकतांत्रिक बनाकर भारत की स्पेस इंडस्ट्री को मजबूत करना और किफायती, विश्वसनीय लॉन्च सर्विसेज के ग्लोबल प्रोवाइडर के रूप में इसकी ग्रोथ को सपोर्ट देना है।

टेक्नोलॉजी ट्रांसफर प्रोसेस, जो 24 महीनों के भीतर पूरी होनी है, का मतलब है कि एचएएल द्वारा बनाया जाने वाला पहला एसएसएलवी रॉकेट 2027 में तैयार हो जाएगा। एसएसएल वी एक तीन-फेज वाला व्हीकल है जिसे 500 किलोग्राम से कम वजन वाले सैटेलाइट को लोअर अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में लॉन्च के लिए डिजाइन किया गया है।

बाढ़ में डूबी धान, गन्ना और कपास की फसलें, जानिए किस राज्य में किस फसल को कितने नुकसान की आशंका

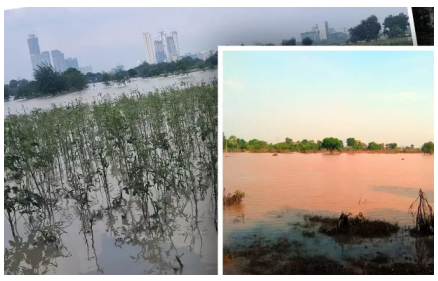

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगातार बारिश और बाढ़ ने देश के कई हिस्सों में फसलों को बुरी तरह प्रभावित किया है। सबसे अधिक नुकसान पंजाब और राजस्थान के किसानों को झेलना पड़ा है। दूसरे राज्यों में भी फसलों को क्षति पहुंची है, लेकिन वह कुछ इलाकों तक सीमित है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अगले कुछ हफ्ते कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में बारिश का पैटर्न महत्वपूर्ण साबित होगा। मौसम विभाग ने उत्तर और मध्य भारत में इस महीने सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान जताया है। यह समय धान, कपास, सोयाबीन, मक्का और प्याज जैसी फसलों के लिए पौधों के बढ़ने का समय होता है। इसलिए यह महीना फसल की पैदावार के लिहाज से यह महत्वपूर्ण है।

भारत में 76 प्रतिशत बारिश दक्षिण-पश्चिम मानसून से होती है। यह देश की कृषि और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 2 सितंबर तक बारिश कुल मिलाकर दीर्घकालिक औसत से 7 प्रतिशत अधिक रही है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड और तेलंगाना जैसे राज्यों में अधिक बारिश हुई है। अगस्त में पंजाब में दीर्घकालिक औसत से 74 प्रतिशत, हरियाणा में 33 प्रतिशत, राजस्थान में 18 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 46 प्रतिशत, कर्नाटक में 29 प्रतिशत, तेलंगाना में 62 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में दो प्रतिशत अधिक बारिश हुई।

इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून का आगमन जल्दी हुआ था। 24 मई को ही मानसून की बारिश शुरू हो गई थी। तयशुदा समय से एक दिन पहले, 29 जून तक पूरे देश में मानसून छा गया। बारिश पहले शुरू हुई तो किसानों ने भी धान, मक्का, कपास और दलहन के साथ प्याज, टमाटर और केला जैसी बागवानी फसलों की खेती समय से पहले शुरू कर दी।

रिपोर्ट के अनुसार बारिश से सबसे अधिक नुकसान पंजाब को हुआ है। वहां अगस्त में सामान्य से 74 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। राज्य को चार दशक की सबसे भयंकर बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है।

यस बैंक के बोर्ड में विदेशी बैंक की एंट्री, दो निदेशकों की नियुक्ति के लिए RBI से मिली हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यस बैंक के शेयरों में 10 सितंबर को तेजी देखी गई। इस तेजी के पीछे का कारण है कि बैंक को बोर्ड में जापान के SMBC के दो निदेशकों को शामिल करने की RBI से मंजूरी मिल गई है। इस खबर से बैंक के शेयरों में 2 फीसदी से अधिक तेजी आई है। मालुम हो की इस विदेशी बैंक ने यस बैंक में भारी निवेश किया है। एसएमबीसी की यस बैंक में 24.99 फीसदी हो गई है।

RBI से मिली मंजूरी के तहत SMBC द्वारा दो और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा एक नामित निदेशक को बैंक के निदेशक मंडल में शामिल किया जा सकेगा। ये नियुक्तियां समझौते के अनुसार संबंधित लेन-देन पूरे होने के बाद होंगी। हालांकि, ये बदलाव SPA और अन्य संबंधित समझौतों में उल्लिखित लेन-देन के पूरा होने पर निर्भर हैं।

Yes Bank ने एक्सचेंज फाइलिंग में 10 सितंबर को यह जानकारी शेयर की। यस बैंक ने फाइलिंग में कहा, ÷हम 03 जून, 2025 के अपने पहले के स्टॉक एक्सचेंज प्रकटीकरण का उल्लेख करते हैं, जिसमें बैंक, सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निष्पादित 09 मई, 2025 के शेयर खरीद समझौते की शर्तों के अनुसार बैंक के एसोसिएशन के लेखों में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया गया है।

नेपाल में मुकेश अंबानी का Campa Cola मचा रहा धूम, भारतीय सॉफ्ट ड्रिंक से खचाखच भरी हैं नेपाली दुकानें!

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया बैन के खिलाफ उठे जेन जी के आंदोलन ने केपी शर्मा ओली की सत्ता को उखाड़ फेंका है। 9 सितंबर को ओली ने इस्तीफा दिया और देश छोड़कर भाग गए। नेपाल से पहले बांग्लादेश में भी इसी तरह से शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भागना पड़ा था। नेपाल इस समय अशांत है। अशांति के बीच नेपाल के बड़े-बड़े बिजनेसमैनों की खूब चर्चा हो रही है। लेकिन इस चर्चा के बीच भारत और एशिया के सबसे बड़े अमीर यानी मुकेश अंबानी की भी चर्चा हो रही है। वैसे नेपाल में रिलायंस रिटेल की कोई स्टोर नहीं है। लेकिन जुलाई 2025 में मुकेश अंबानी ने कैंपा कोला के जरिए नेपाल के बाजार में एंट्री मारी थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स शाखा, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने नेपाल में अपना कैंपा कोला सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड जुलाई 2025 में लॉन्च किया था। RCPL ने स्थानीय स्तर पर कैंपा उत्पाद श्रृंखला के निर्माण और वितरण के लिए नेपाल के सबसे बड़े समूह, चौधरी ग्रुप के साथ साझेदारी की है।

चौधरी समूह नेपाल में स्थानीय उत्पादन और वितरण में आरसीपीएल का सहयोग कर रहा है। कैम्पा के शुरुआती उत्पाद पोर्टफोलियो में कैम्पा कोला, कैम्पा लेमन, कैम्पा ऑरेंज, कैम्पा एनर्जी गोल्ड बूस्ट और कैम्पा एनर्जी बेरी किक शामिल है।

कैंपा कोला से खचाखच भरी हैं नेपाली दुकानें- भले ही नेपाल इस समय अस्थिर है। अशांत है। लेकिन नेपाल की दुकानें मुकेश अंबानी की कैंपा कोला से खचाखच भरी हैं। नेपालियों को भारतीय ब्रांड भा रहा है। भारत में कोका कोला जैसे ब्रांड्स को टक्कर देने के लिए मुकेश अंबानी ने कैंपा कोला का अधिग्रहण किया था।

अब नेपाल के मार्केट में भी उनका- कैम्पा, जिसे 2022 में रिलायंस ने अधिग्रहित किया था और 2023 में भारतीय बाजार में फिर से पेश किया गया था, भारतीय शीतल पेय उद्योग में एक मजबूत चुनौती के रूप में उभर रहा है।

सायरस मिस्त्री के सपनों का पूरा करेंगे फिरोज और जहान, फैमिली बिजनेस में हुई एंट्री, मिली ये बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर दिवगंत बिजनेसमैन और टाटा संस के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री के बेटे ने अपने फैमिली बिजनेस में कदम रख दिया है। शापूरजी पलोनजी समूह के अध्यक्ष शापूर मिस्त्री ने अपने दिवंगत भाई साइरस के बेटों, फिरोज (27 वर्षीय) और जहान (25 वर्षीय) को ग्रुप की स्ट्रैटेजिक टीम में शामिल किया है। खबर है कि फिरोज और जहान, दोनों भाई समूह से जुड़े हाई लेवल डिसीजन में योगदान देंगे। शापूर मिस्त्री भी उनका मार्गदर्शन उसी तरह करेंगे जिस तरह उन्होंने लंबे समय से अपने बेटे को गाइड किया है।

दिवंगत सायरस मिस्त्री के दोनों बेटों की फैमिली बिजनेस में एंट्री, उनके पिता के निधन के 3 साल बाद हो रही है। दरअसल, साल 2022 में एक रोड एक्सीडेंट में सायरस मिस्त्री की मृत्यु हो गई थी। समूह से जुड़े अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि शापूर मिस्त्री चाहते हैं कि फिरोज और जहान को धीरे-धीरे ऑपरेशन का गहरा अनुभव हो, और इसके बाद दोनों भाइयों को ग्रुप के बोर्ड में जगह दी जाए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सुरक्षित होगा सफर... नई दिल्ली-भोपाल के बीच चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस में जुड़े नए सिस्टम

ग्वालियर। देश की पहली शताब्दी एक्सप्रेस का दर्जा प्राप्त नई दिल्ली से ग्वालियर होते हुए भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन तक जाने वाली ट्रेन को नए स्वचालित दरवाजों से लैस कर दिया गया है। दरवाजों को अब इमरजेंसी बटन और वैक्यूम लॉकिंग सिस्टम से जोड़ दिया गया है। गति पकड़ते ही ट्रेन के दरवाजे बंद हो जाएंगे। ट्रेन जब अगले स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचेगी या आउटर में रुकेगी, तभी ट्रेन के गेट खुल पाएंगे। इसके लिए ट्रेन के रैक में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, सिर्फ दरवाजों को बदलकर उनमें नया सिस्टम लगाया गया है।

नए सिस्टम से रुकेंगे हादसे-दरअसल, शताब्दी एक्सप्रेस में आरक्षण का सिस्टम कुछ ऐसा है कि एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन के बीच बुक होने वाली ज्यादातर सीटें एक ही कोच में आवंटित की जाती हैं। ऐसे में स्टेशन पर उतरने के लिए यात्रियों की भीड़ जुट जाती है। कई यात्री जल्दी उतरने के चक्कर में प्लेटफॉर्म आने से पहले ही दरवाजा खोल देते थे और हादसों का शिकार हो जाते थे। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नई व्यवस्था की जा रही है। ऐसी ही व्यवस्था हजरत निजामुद्दीन से ग्वालियर होते हुए वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन जाने वाली गतिमान एक्सप्रेस में भी है। चूंकि ये दोनों ट्रेनें एक जैसे रैक के साथ ही संचालित होती हैं, इसलिए इस रूट पर गतिमान के बाद शताब्दी एक्सप्रेस को भी इस सिस्टम से जोड़ा गया है। रेल मंडल झांसी के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह का कहना है कि इस बदलाव से सफर भी सुरक्षित रहेगा और दुर्घटना की आशंका कम होगी।

लोको पायलट के पास कंट्रोल, प्लेटफॉर्म की तरफ के गेट ही खुलेंगे

इन दरवाजों का कंट्रोल लोको पायलट और गार्ड के पास रखा गया है। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि जब ट्रेन किसी स्टेशन पर पहुंचती है, तो सिर्फ उसी दिशा के दरवाजे खुलें जिस तरफ प्लेटफॉर्म रहेगा। दूसरी दिशा के दरवाजों को बिना लोको पायलट की मर्जी के नहीं खोला जा सकता है। इससे इन लक्जरी ट्रेनों में अनावश्यक प्रवेश को भी रोका जा सकता है।बेस किचन हुई शिफ्ट, खाने का समय भी बदला

शताब्दी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्रियों के खाने के समय में भी परिवर्तन किया गया है। पहले ग्वालियर में इस ट्रेन का बेस किचन था और यहीं से खाना ट्रेन में भेजा जाता था। ऐसे में यात्रियों को झांसी स्टेशन गुजरने के बाद लगभग साढ़े 11 बजे खाना परोसा जाता था। अब बेस किचन को झांसी में ही शिफ्ट कर दिया गया है। ऐसे में यात्रियों को अब ललितपुर गुजरने के बाद लगभग साढ़े 12 बजे खाना परोसा जाता है। भोपाल से लौटते समय ग्वालियर स्टेशन से ट्रेन गुजरने के बाद खाना परोसना शुरू किया जाता है।

6 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाया पटवारी

जबलपुर। लोकायुक्त संगठन ने एक पटवारी को छह हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित पटवारी प्रवीण कुमार पटेल (30) मझौली तहसील में पदस्थ था। उसे बुधवार को सिहोरा में उसके निजी कार्यालय से पकड़ा गया।

जहां पर उसने भू राजस्व संबंधी कार्य को करने के बदले में एक व्यक्ति को रिश्वत की नकद राशि देने के लिए बुलाया था। आरोपित पटवारी प्रवीण कुमार मूलत- सिहोरा के तहसील के जुनवानी कला के ग्राम खिरवा बरगवां का निवासी है। उसके पास अभी मझौली तहसील के ग्राम दर्शन गुरजि के पटवारी हल्का नंबर 65 और 66 का प्रभार था। आरोपित पटवारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

मझौली के ग्राम दर्शनी निवासी बिशाली पटेल की पैत्रिक भूमि के बंटवारे के लिए तहसीलदार ने आदेश दिया था। उसके बावजूद बंटवारे के आदेश को कम्प्यूटर और जिसकी शिकायत बिशाली ने लोकायुक्त से की। लोकायुक्त ने आवेदक और पटवारी के फोन ट्रैप किया। उसके बाद आरोपित पटवारी के बताए पते सिहोरा में पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह के पीछे बिजली कार्यालय के पास एक मकान में पहुंचा।

जहां, पर पटवारी प्रवीण पटेल ने जैसे ही रिश्वत के छह हजार रुपये लिए, बाहर पहले से खड़ी लोकायुक्त जवानों ने उसे पकड़ लिया।

घर में घुसकर हमला किया... , धार के पूर्व MLA पर

धार। जनसुनवाई में मंगलवार को बबिता नामक एक महिला ने अपने आपको पूर्व विधायक पांचीलाल मेड़ा की पत्नी बताते हुए एसडीएम राहुल गुप्ता को आवेदन सौंपकर मदद की गुहार लगाई।

महिला का आरोप है कि पूर्व विधायक मेड़ा और उनके साथी लगातार उन्हें परेशान करते हैं। उनके घर पर हमला करते हैं और मकान हड़पने की नीयत से आए दिन दबाव बनाते हैं। आवेदन में बबिता ने बताया कि आरोपितों ने पुत्र-पुत्री के साथ भी घर में घुसकर मारपीट की।पुराने केस को वापस लेने के लिए दबाव बनाया, साथ ही मेरे मना करने पर जान से मारने की धमकी दी। साथ ही चरित्र पर लांछन लगाकर बदनाम करने की भी कोशिश की गई।इस बाबत पूर्व विधायक पांचीलाल मेड़ा ने कहा कि महिला झूठा आरोप लगा रही है। जब हम किसी कार्यक्रम, उत्सव में जाते थे तो वह वहां फोटो खिंचवा लेती थी, ताकि ब्लैकमेल करने के लिए इस तरह के फोटो का उपयोग किया जा सके। मैंने इस महिला के साथ शादी नहीं की है, न ही कभी इसके साथ मारपीट की है। मुझे व बच्चों को धौंस देती है। बात करने जाता हूं तो पैसों की मांग, मकान देने की बात कहती है। यह विरोधियों की साजिश है। वे मेरी छवि खराब करना चाहते हैं।

सागर-दमोह रोड पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, गढ़ाकोटा पेट्रोल पंप के पास हुआ हादसा

सागर। सागर-दमोह मार्ग पर के गढ़ाकोटा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार उछलकर सड़क पर जा गिरा। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया।

जानकारी के अनुसार, दमोह निवासी 35 वर्षीय नितिन रैकवार बाइक पर दमोह से सागर जा रहा था। तभी दमोह-सागर मार्ग पर स्थित गढ़ाकोटा में पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर में गंभीर चोटें लगने से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही गढ़ाकोटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मृतक के स्वजन को घटनाक्रम की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही परिजन गढ़ाकोटा पहुंचे, जहां पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने शव परिवार वालों को सौंप दिया है। वहीं मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

बस को टक्कर मार रोड साइड घुसा कंटेनर, स्टेयरिंग में फंसे चालक को मशक्कत कर निकाला

बड़वानी। सेंधवा के समीप बिजासन घाट पर भारी वाहनों के साथ ब्रेक फेल होने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। बुधवार सुबह करीब 10 बजे बनारस से महाराष्ट्र की तरफ जा रहे कंटेनर ने पहले तो आगे चल रही महाराष्ट्र परिवहन की बस को टक्कर मारी फिर असंतुलित होकर रोड साइड उतारकर पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में बस को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ लेकिन कंटेनर चालक हादसे के बाद स्टीयरिंग में फंस गया। जिसे ग्रामीणों और पुलिस ने मशक्कत से निकाला। घटना के बाद प्रधान आरक्षक मकसूद खान, मुकेश यादव, आरक्षक नारायण पाटीदार ने पहुंच कार्रवाई की।

नेपाल के दंगों में फंसे छतरपुर के 14 लोग, पीएम मोदी से मांगी मदद, बोले- हमें यहां से बाहर निकलवाएं

छतरपुर। नेपाल में हुए दंगों में सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं। इनमें मध्य प्रदेश के छतरपुर के चार परिवारों के करीब 14 लोग भी शामिल हैं, जो काठमांडू में फंसे हुए हैं और भयभीत हैं। इन लोगों ने वीडियो जारी कर मोदी सरकार से मदद मांगी है और उनको सकुशल भारत लाने की मांग की है। यह लोग बेहत डरे हुए हैं।

वीडियो जारी कर मांगी मदद-नेपाल के काठमांडू के हालातों को लेकर इन छतरपुर के परिवारों ने वीडियो के माध्यम से बताया है कि वहां दंगे हो रहे हैं। सेना के जवानों के हथियार छुड़ाने के प्रयास किए गए हैं। कई बंगलों पर कब्जे किए जा रहे हैं। जगह-जगह आगजनी का माहौल है।

नेपाल में लगातार बिगड़ रहे हालात-बता दें कि नेपाल में विरोध प्रदर्शन हिंसक रूप ले चुका है और इसकी वजह से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। नेपाल में विरोध प्रदर्शन उस वक्त खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया जब हिंसक भीड़ ने पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा देउबा पर हमला किया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दोनों खून से लथपथ दिखे।

भारत में बढ़ी सुरक्षा-हिंसा का असर अब भारतीय सीमाओं तक पहुंचता दिख रहा है, जिसके चलते उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भारत की खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि नेपाल की इस हिंसा का असर भारत पर भी पड़ सकता है। इसकी वजह से बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्सेस और राज्य पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में शामिल प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने कहा एम वाय में चूहों के काटने से शिशुओं की मौत भयंकर लापरवाही का नतीजा

पचहत्तर की उम्र में सेवानिवृत्ति ना तो भाजपा न संघ, सिर्फ प्रेस की लाइन-अजय विश्नोई

इंदौर। 75 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्ति ना तो संघ की लाइन है और ना भाजपा की। यह सिर्फ प्रेस की लाइन है। चुनाव के समय सिर्फ सत्ता में आना और जीत मायने रखती है, उम्मीदवारों की उम्र नहीं। ये बात वरिष्ठ भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अजय विश्नोई ने स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में पत्रकारों से चर्चा में कही।

इंदौर में आयोजित प्रदेश विधानसभा की प्राक्कलन समिति की बैठक की अध्यक्षता करने पधारे श्री विश्नोई ने एस्टीमेट कमेटी की कार्यप्रणाली समझाने के साथ उसका महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि किस तरह स्वास्थ्य को पहली प्राथमिकता देने के तहत राज्य की 3000 करोड़ रुपयों से पुनरीक्षित योजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा हाथ खड़े करने के बाद मोहन यादव सरकार ने बजट प्रावधान से पूरा किया।

एस्टीमेट कमेटी की सिफारिशों के प्रति शासन की जवाबदेही बढ़े = हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला द्वारा आयोजित प्रदेश भर के प्राक्कलन समितियों के अध्यक्षों की बैठक की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस बैठक में एक सामान्य चिंता सामने आई कि कमेटी के सुझावों पर शासन -मुख्यमंत्री कोई जवाब नहीं देते। सिफारिशों के गुण - दोषों पर कोई जवाब ही नहीं देता। कमेटी की सिफारिशों पर शासन की जवाबदेही बढ़ना चाहिए।

इंदौर एम.वाय. में चूहों द्वारा काटे जाने से

शिशुओं की मौत हद दर्जे की लापरवाही - श्री विश्नोई ने कहा कि इस घटना की निंदा के लिए शब्द छोटे हैं। इस लापरवाही के ज़िम्मेदारों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाई होनी चाहिए।

शहरों में जल भराव अनियंत्रित तरीके से विकास के कारण = प्रदेश के शहरों विशेषकर इंदौर, जबलपुर आदि में ज़रा सी बारिश के बाद सड़कों पर तालाब बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसा जल भराव सिर्फ प्रदेश के शहरों में नहीं बल्कि देश भर के शहरों में हो रहा है। भारत एक विकासशील देश है तथा बजट टुकड़ों में मिलता है, जिससे संपूर्ण योजना एक साथ बनाना संभव नहीं होता। उन्होंने योजनाओं की सफलता में अफसरशाही की बढ़ती भूमिका को स्वीकारते हुए उन्होंने कहा कि ज़िम्मेदार अधिकारियों की सक्रियता - निष्क्रियता, ईमानदारी - बेईमानी आदि के कारण योजनाओं के मिश्रित परिणाम मिलते हैं।

योग्यता थी, योग नहीं

श्री अजय विश्नोई ने मत ज़ाहिर किया कि निगम मंडल के पदाधिकारियों की नियुक्ति जल्दी भी होना चाहिए और उन पर विधायकों की नियुक्ति नहीं होना चाहिए। अपने सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ विधायकों के मंत्री न बन पाने और सिंधिया गुट में अपेक्षाकृत जूनियर विधायकों के मंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके जैसे विधायकों के पास योग्यता तो थी लेकिन योग नहीं था। प्रदेश में भाजपा की लगातार सफलता के कारण प्रदर्शन का दबाव न होने पर श्री विश्नोई ने कहा कि परफॉर्मेंस प्रेशर हमेशा रहना चाहिए। सत्ता या संगठन में गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि सब कुछ बढ़िया चल रहा है। मोदीजी के क्रेज़ और विपक्ष की कमजोर स्थिति के कारण भी दोनों पक्षों में गैप घटा है। श्री राहुल गांधी के उपराष्ट्रपति चुनाव के बीच विदेश जाने को लेकर भी उन्होंने चुटकी ली कि बीच युद्ध में सेनापति भाग जाता है।

बारबाडोस में कॉमन्वेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के 68 वें वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे - श्री विश्नोई ने बताया कि 5 से 12 अक्टूबर 2025 तक ब्रिजटाउन, बारबाडोस में आयोजित सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष के साथ पर वे तथा कांग्रेस विधायक श्री भंवर सिंह शेखावत शामिल होंगे। इसमें कॉमन्वेल्थ देशों के प्रतिनिधि वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करते हैं।

प्रारंभ में स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण कुमार खारीवाल, वरिष्ठ पत्रकार श्री राजू धोलप, आलोक बाजपेयी, दीपक माहेश्वरी, रवि चावला, रजनी खैतान, संजय मेहता एवं जितेन्द्र गुप्ता ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आलोक बाजपेयी और आभार प्रदर्शन सोनाली यादव ने किया।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर जनसुनवाई के दिन मंगलवार 16 सितंबर को लगेंगे विशेष शिविर

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर जिले में बुजुर्ग माता-पिता की समस्याओं के समाधान हेतु एक विशेष पहल की जा रही है। जनसुनवाई के दौरान अक्सर यह सामने आता है कि वृद्धजन भरण-पोषण से जुड़ी शिकायतों के निराकरण के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्रस्तुत करते हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में विशेष भरण-पोषण अधिनियम शिविर आयोजित करें। इन शिविरों के माध्यम से वृद्धजनों से जुड़े भरण-पोषण संबंधी मामलों का शीघ्र और प्रभावी निराकरण किया जाएगा। निर्देशानुसार, पहला विशेष शिविर जनसुनवाई के दिन मंगलवार 16 सितंबर 2025 को आयोजित किये जाएंगे। यह शिविर सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने-अपने कार्यालयो में लगाएंगे। इस पहल से उन बुजुर्ग माता-पिता को राहत मिलेगी, जो अपने भरण-पोषण से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर होते थे। यह अभिनव पहल वृद्धजनों की सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

नेत्रदान पखवाड़ा के तहत नेत्रदान हेतु किया जा रहा है जागरूक

इंदौर। राष्ट्रीय दृष्टि विहिनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत इंदौर जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी एवं जिला अंधत्व नियंत्रण समिति जिला इंदौर के अंतर्गत पदस्थ नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं नेत्र चिकित्सा सहायकों द्वारा नेत्र दान पखवाड़ा मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत पदस्थ सभी अधिकारी, कर्मचारी नेत्र दान के प्रति आम जनता में जागरूकता के भिन्न-भिन्न गतिविधियां कर रहे हैं। ओ.पी.डी. में आ रहे मरीजों को एवं स्कूली बच्चों को नेत्र चिकित्सा सहायकों द्वारा नेत्र दान से संबंधित जानकारियां दी गई। मृत्यु उपरांत नेत्र दान करने के बारे में जानकारी दी गई और भ्रांतियां दूर की गई। 600 से अधिक लोगों से नेत्र दान फॉर्म भरवाएं गए। कुल 27 शासकीय विद्यालय में 2459 स्कूली छात्र-छात्राओं का नेत्र परीक्षण किया गया, जिसमें 309 विद्यार्थियों को चश्मे का नम्बर निकला।

इंदौर में चूहे काटने की घटना में दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई-उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

स्वास्थ्य संस्थानों में प्रभावी उपायों के दिए निर्देश

इंदौर। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में इंदौर में घटित चूहे काटने की घटना पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरी कार्यवाही निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं तथ्यों के आधार पर की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएँ स्वास्थ्य सेवाओं की छवि को धूमिल करती हैं, दोषी व्यक्तियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिये कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी रोकथाम उपाय तुरंत लागू किए जाएँ।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश लाहोटी, प्रो. डॉ. मनोज जोशी एवं सहायक प्रभारी नर्सिंग अधिकारी श्रीमती कलावती भलावी को उक्त घटना के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सहायक अधीक्षक एवं भवन प्रभारी डॉ. मुकेश जायसवाल, प्रभारी नर्सिंग अधिकारी सुश्री प्रवीणा सिंह, नर्सिंग अधिकारी सुश्री आकांक्षा बेंजामिन एवं सुश्री श्वेता चौहान को निलंबित किया गया है। नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती मार्गरेट जोसफ को पद से हटाया गया है तथा नर्सिंग अधिकारी श्रीमती प्रेमलता राठौर का स्थानांतरण मानसिक चिकित्सालय में किया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अस्पताल परिसरों की स्वच्छता, सुरक्षा और मरीजों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, तथा एम.डी. एम.पी. पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड श्री मयंक अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संबल योजना सच्चे अर्थों में श्रमिक भाई-बहनों का सहारा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति में मान्यता है कि परहित सरिस धर्म नहिं भाई यानी दूसरों की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है और संबल योजना दूसरों की सेवा करने की इसी भावना को चरितार्थ करने का मार्ग है। राज्य सरकार की इस पहल का ही परिणाम है कि संबल योजना सच्चे अर्थों में श्रमिक भाई-बहनों का सहारा बनी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय से संबल योजना के 7 हजार 953 हितग्राहियों के खातों में 175 करोड़ रुपये अंतरित कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि यह राशि श्रमिक भाई-बहनों के लिए बड़ी मदद साबित होगी। प्रदेश में 1 करोड़ 77 लाख से अधिक श्रमिक इस योजना में पंजीकृत हैं। पंजीयन की प्रक्रिया लगातार जारी है। इस अवसर पर पंचायत और ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल उपस्थित थे। कार्यक्रम से सभी जिले वर्चुअली रूप से जुड़े।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबल योजना की शुरूआत वर्ष 2018 में हुई थी, तब से अब तक कुल 7 लाख 60 हजार 886 प्रकरणों में 7 हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि हितग्राहियों को वितरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबी देखी है, इसलिए वे गरीबों का दुख और उनकी जरूरतें समझते हैं। संबल योजना उसी मुश्किल वक्त के साथी का नाम है। इसी क्रम में श्रमिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार में मदद के लिए को श्रीपहल को मंजूरी प्रदान की गई है। इसका एक और उद्देश्य श्रमिकों के जीवन स्तर को उन्नत करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ और सबका विकास की राह पर अग्रसर है। मार्च 2024 से घर-घर जाकर सामान और सेवायें देने वाले गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों की नई श्रेणी बनाकर संबल योजना में शामिल किया गया है। अब ये श्रमिक भाई-बहन अधिकाधिक संख्या में संबल योजना में रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं और सभी आर्थिक हितलाभ ले रहे हैं। इसी क्रम में पत्थर तोड़ने वाले, ईंट बनाने वाले, पापड़-अचार बनाने वाले, खाना बनाने वाले, घरों में काम करने वाले मजदूर या तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले सभी श्रमिक और उनके परिवार इस योजना से जुड़कर आर्थिक मदद पा रहे हैं।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

शिक्षा केवल व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं : मंत्री इंदर सिंह परमार

चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व का समग्र विकास विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

उज्जैन। सच्ची शिक्षा का मूल आधार चरित्र का विकास है। शिक्षा नैतिक बल देती है। शिक्षक का आचरण और व्यवहार शिष्य के जीवन में परिलक्षित होता है। अच्छा शिक्षक अच्छे विद्यार्थियों को तराशता है। अच्छा नागरिक चरित्रवान व्यक्ति ही बन सकता है। हमें विकसित भारत बनाने के लिए तथा विश्व गुरु बनने के लिए राष्ट्रीय और चरित्रवान नागरिकों का निर्माण करना होगा। यह कार्य शिक्षक ही कर सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन से यह संभव हो सकेगा।

यह उद्गार उच्च शिक्षा मंत्री इन्द्र सिंह परमार ने चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुऐ व्यक्त किये। अवंतिका विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल कोठारी ने कहा कि मूल्य परक शिक्षा के अभाव में मनुष्य के चरित्र का निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों को समकालीन संदर्भ में पुनर्स्थापित करने का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। यह नीति व्यक्तित्व निर्माण, चरित्र विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ शिक्षा को जोड़ने का कार्य कर रही है। हमें पंचकोश पर आधारित जीवन यापन कर स्वस्थ और श्रेष्ठ नागरिक बनना है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए अवंतिका विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो संजय धाण्डे ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना ही नहीं है, अपितु सुशिक्षित और सुसंस्कृतिक नागरिक बनाना है। निस्वार्थ भाव से शिक्षा का कार्य करने से ही अच्छे परिणाम आएंगे।

शुभारंभ कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य एम आई टी ग्रुप पुणे के प्रोओस्ट प्रो अनंत चक्रदेव ने प्रस्तुत किया। कार्यशाला का परिचय सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ जफर महमूद ने किया। आभार अवंतिका विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नितिन राणे ने व्यक्त किया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, अवंतिका विश्वविद्यालय, महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय एवं निर्मला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आर्क बिशप डॉ सेबेस्टियन वडडकेल एवं न्यास के क्षेत्रीय संयोजक ओम प्रकाश शर्मा मंचासीन थे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा प्रयागराज ज्ञान महाकुम्भ के संकल्प पत्र का विमोचन किया गया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी ओपन विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो नागेश्वर राव, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलपति डॉ अजय तिवारी आदि।

आचार्य विनोबा भावे जयंती, नागरी दिवस पर आज होगी संगोष्ठी

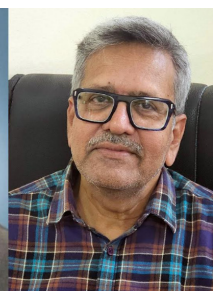

उज्जैन। राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना, नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली इकाई मध्यप्रदेश एवं हिंदी परिवार इंदौर, इकाई उज्जैन के सहयोग से नागरी लिपि परिषद् के संस्थापक आचार्य विनोबा भावे के जन्मदिवस को नागरी दिवस के रुप में मनाया जाता है। आज 11 सितंबर को विश्व सन्यासी, मुखर वक्ता स्वामी विवेकानंदजी द्वारा शिकागो अमेरिका में दिया गया ऐतिहासिक भाषण की वर्षगांठ एवं नागरी दिवस पर, वरिष्ठ आचार्य डॉ जगदीशचंद्र शर्मा हिंदी विभाग, सम्राट विक्रमादित्य विवि उज्जैन को आचार्य विनोबा भावे नागरी लिपि सेवा सम्मान एवं वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली के स्व. डॉ शहाबुद्दीन शेख की स्मृति में पांच हजार रुपये की सम्मान निधि अतिथियों द्वारा प्रदान की जायेगी। आयोजन प्रेस क्लब सभागार कोठी रोड में शाम 4 बजे आयोजित किया जा रहा है।

नागरी लिपि परिषद के प्रदेश संयोजक डॉ. प्रभु चौधरी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि गोपाल बघेल टोरंटो कनाडा वरिष्ठ साहित्यकार कवि एवं विशिष्ट अतिथि त्रिपुरारीलाल शर्मा अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद मालवा प्रांत तथा अध्यक्षता बृजकिशोर शर्मा शिक्षाविद एवं संरक्षक उज्जैन होंगे। मुख्य वक्ता डॉ शैलेंद्रकुमार शर्मा अध्यक्ष हिंदी विभाग सम्राट विक्रमादित्य विवि उज्जैन एवं सारस्वत अतिथि डॉ रश्मि चौबे गाजियाबाद वरिष्ठ नागरी लिपि परिषद सदस्य होंगे। विशिष्ट वक्ता राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता एवं सचिव मध्य प्रदेश लेखक संघ डॉ. हरीशकुमार सिंह होंगे। समारोह के स्वागत अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार भार्गव पूर्व आइएएस तथा प्रदेश अध्यक्ष नागरी लिपि परिषद मध्यप्रदेश और संचालक वरिष्ठ कवयित्री डॉ. सीमा देवेन्द्र होंगी। आयोजक में डॉ. अरुणा सर्राफ राष्ट्रीय सचिव, रंजना पांचाल प्रदेश सचिव, गरिमा प्रपन्न प्रदेश महासचिव एवं प्रदेश सचिव श्याम लाल चौधरी आदि उपस्थित रहेंगे।

बीएसएनएल की नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर को

उज्जैन। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार 13 सितम्बर शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में बीएसएनएल द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु जिला न्यायालय उज्जैन, तहसील न्यायालय तराना, महिदपुर, नागदा, बडनगर एवं खाचरौद में बकाया लैंडलाइन, ब्रॉडबैंड, एफटीटीएच सहित मोबाइल पोस्टपेड बिल संबंधित प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निपटान किया जाएगा। बीएसएनएल के उपभोक्ताओं द्वारा अपने बकाया बिलों की राशि लोक अदालत में जमा करने पर उन्हें नियमानुसार 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत की आकर्षक छूट का लाभ दिया जाएगा।

9वीं के 10 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित

उज्जैन। शासकीय हाई स्कूल आमला में कक्षा 9वीं के 10 छात्र छात्राओं को साइकिल वितरण की गई।

साइकिल प्रभारी अनुसूया राणा ने बताया सरपंच नंदकिशोर यादव के आतिथ्य में विद्यालय में 7 छात्र एवं 3 छात्राओं को साइकिल वितरण की गई। विद्यालय के प्राचार्य गोपाल सोनकुसरे ने शासन की माहिती योजनाओं एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य द्वारा सरपंच का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। ग्राम सरपंच ने बच्चों को शुभकामनाएं प्रदान की एवं अच्छी पढ़ाई करने एवं सावधानीपूर्वक साइकिल चलाने की हिदायत दी। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ मौजूद रहा। आभार संस्था के उपप्राचार्य राजेंद्र राणा ने माना।

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में 13 वर्ष से पर सेवा पर निर्भर बहु दिव्यांग मनमोहन गुप्ता को देहदान के बाद गार्ड ऑफ आनर दिया गया

नेत्रदान से 4 दृष्टिहिनों को मिली ज्योति

उज्जैन। सुधीर भाई की प्रेरणा से दिल्ली से आए परिवारजनों ने अपनी सहमति दी और गौरव का अनुभव करते हुए कहा कि मनमोहन जिन्दगी भर घर, परिवार, समाज और राष्ट्र के काम नही आया उसे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के निर्देशों के अनुसार गार्ड ऑफ आनर का जो सम्मान मिला वह हमारे परिवार के लिए अविस्मरणीय स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने वाला इतिहास होगा। उक्त विचार भाई राजीव लोचन गुप्ता, बहन सुषमा अग्रवाल, भतिजे नितीन एवं मंयक ने व्यक्त किए।

9 सितम्बर 2025 को अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में रहने वाले बहु दिव्यांग पर सेवा पर निर्भर, मंदबुद्धि, बोलने-चलने-फिरने में असमर्थ 52 वर्षीय मनमोहन गुप्ता का निधन हुआ, मनमोहन को विपरित परिस्थितियों में 13 वर्ष तक सेवा का लाभ मिला, अनेक बार मृत्यु के आगोश में आकर भी वह लोट आया। निधन की सूचना परिवारजनों को दी गई, परिवारजनों ने अंतिम संस्कार में सम्मिलित होने में असमर्थता व्यक्त की और मनमोहन का विद्युत संस्कार करने का कहा, आश्रम संस्थापक सुधीर भाई ने जब परिवार को प्रेरित करते हुए कहा कि हमारे प्रदेश में हमारे गृह नगर के स्वप्न दृष्टा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देहदानियों के लिए गार्ड ऑफ आनर के साथ अंतिम विदाई देने का निर्णय लिया है, उसी अनुसार हम मनमोहन को देहदान के बाद गार्ड ऑफ आनर दिलाना चाहते है ताकि समाज के अन्य वर्गों को प्रेरणा मिले इससे न केवल मनमोहन का जीवन सार्थक होगा अपितु मनमोहन का नाम अमर देहदानी के रूप में सदा के लिए स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। परिवार ने इस बात को समझा और सुधीर भाई को लिखित में स्वीकृति प्रदान करते हुए देहदान के समय उपस्थित होने का आश्वासन दिया। उसी अनुसार परिवार के सदस्यगणों की उपस्थिति में गार्ड ऑफ आनर प्रदान किया गया। पुलिस विभाग की ओर से श्री सक्तावत थाना प्रभारी भैरवगढ़ ने पुष्पांजलि अर्पित कर सम्मान दिया।

देहदान पिपुल्स कॉलेज ऑफ मेडिकल सांईसेस एण्ड रिसर्च सेंटर भोपाल को देने के पूर्व पूर्व गीता भवन न्यास बड़नगर के हरिकिशन मेलवानी के निर्देशन में डॉ. जी. एल. ददरवाल ने नेत्र उत्सर्जन किए जिससे 4 दृष्टिहिनों को ज्योति प्राप्त होगी।

मालीविकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

उज्जैन ! अखिल भारतीय माली समाज विकास परिषद के राष्ट्रीय सलाहकारों की सलाह से डॉ देवेंद्र सांखला धार को मध्य प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सांखला ने यह नियुक्ति की है तथा संपूर्ण मध्य प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा तथा लोकसभा जिला एवं प्रदेश स्तर पर परिषद के गठन करने के कहां है परिषद के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर डॉ देवेंद्र सांखला को माली सैनी समाज के अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बधाई

12 सितंबर को निकलेगी किसान अधिकार यात्रा

उज्जैन। 12 सितंबर को उज्जैन कांग्रेस द्वारा किसान न्याय यात्रा ओर जनसभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रदेशभर में समस्याओं से जूझ रहे किसानों की आवाज उठाने के लिये जनसभा का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात किसान न्याय यात्रा निकाली जाएगी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं विधायक महेश परमार एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने बताया कि देश की सत्ता में बैठी भाजपा सरकार और प्रदेश की सरकार वोट चोरी से बनी है। हमारे नेता राहुल गांधी ने तर्क और तथ्य से इनकी चोरी को उजागर किया है। उज्जैन मे तो महापौर का चुनाव ही चोरी कर लिया था ये सब जानते ही है। यह आंदोलन भाजपा को बताने के लिए भी है कि कांग्रेस कार्यकर्ता न तो डरेगा न झुकेगा ओर यह पिछले दिनों साबित भी हुआ है। किसानों को न्याय दिलाने, युवाओ को रोजगार देने, महिलाओ की सुरक्षा, गरीबो पिछडो को न्याय दिलाने की लड़ाई कांग्रेस इस आंदोलन के साथ शुरू करने जा रही है। आंदोलन के पश्चात किसानों की सोयाबीन फसल का तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग का ज्ञापन भी देंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com